DON BOSCO ARTS AND SCIENCE COLLEGE
LIBRARY
ANGADIKADAVU

M 7884

Reg. No. : .....

Name : .....

II Semester B.A./B.Sc. Degree Examination, May 2010
HINDI (Common)
Course No. 2 : 2 A 08 : HIN – Prose and One Act Play for Communication Skill

Time: 3 Hours Total Weightage : 30

निर्देश : किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(Weightage 2×3=6)**

1. चीन के वस्त्र, चीन के चित्र आदि की रंगमयता देखकर भ्रम होने लगता है कि वहाँ की मिट्टी का हर कण भी इन्हीं रंगों से रँगा हुआ न हो।
2. सच्चा साधु धर्म को गौरव देता है, धर्म किसी को गौरवान्वित नहीं करता।
3. उससे भी अधिक पाँवटा का महत्त्व इसलिए है कि अपनी देश-भक्ति के लिए मारे-मारे फिरते गुरु गोविंद साहब यहाँ कई वर्षों तक रहे।
4. जैसे बुढ़ापे में आदमी वीतराग हो जाता है, यह शहर भी व्यक्ति को एक बार अपने संसर्ग में लाकर जकड़ लेता है।
5. रंग से उसका अति परिचय यह विश्वास उत्पन्न कर देता था कि वह आँखों पर पट्टी बाँध देने पर भी स्पर्श से रंग पहचान लेगा।

निर्देश : किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए : **(Weightage 2×3=6)**

6. आचरण की सभ्यतामय भाषा पर विचार कीजिए।
7. अपनी बहन को ढूँढ लेने में चीनी फेरीवाला क्यों असफल हुआ ?
8. 'इलाहाबाद' साहित्यकारों का ट्रेनिंग सेन्टर है।' इस उक्ति की समीक्षा कीजिए।
9. महादेवीजी के मन का कौन-सा भाव चीनी फेरीवाला में प्रकट है ?
10. शिमला नगर का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

निर्देश : किसी **एक** प्रश्न का विस्तृत उत्तर लिखिए : **(Weightage 4×1=4)**

11. सरदार पूर्णसिंह के निबन्ध के आधार आचरण की सभ्यता के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
12. 'चीनि फेरीवाला' रेखाचित्र में महादेवी वर्मा ने मानवीय करुणा को किस प्रकार अभिव्यक्ति दी है ?

P.T.O.

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण पढ़कर प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखिए : **(Weightage 1×1 Bunch = 1)**

13. ''बाहर से यह एक शान्त और पुराना शहर लगता है, मगर इसकी आन्तरिकता में हर क्षण एक न एक घटना घटित होती रहती है।''
    अ) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है ?
    आ) रचनाकार का नाम क्या है ?
    इ) यहाँ किस नगर का उल्लेख है ?
    ई) स्वातंत्र्योत्तर भारत का सबसे बड़ा विरोधाभास क्या है ?

निर्देश : किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(Weightage 2×3=6)**

14. स्वार्थ को न्याय का रूप देकर धर्मराज की उपाधि धारण करने में तुम्हें संतोष मिलता है तो मिले, मेरे लिए वह आत्म-प्रवंचना है।

15. घबराओं नहीं युधिष्ठिर ! मेरी शान्ति के लिए तुम जो उपाय कर चुके हो, वह अचूक है। दो क्षण और। फिर मैं सदा को शान्त हो जाऊँगा।

16. जो एक दिन जनता की आँखों के तारे-थे, वे ही आज पुलिस के पहरे में जनता से मिलने जाते हैं।

17. इन्सान तो सभी हैं। स्वतंत्र देश के नागरिक हैं तो सभी हैं। कानून सब पर लागू होता है।

18. न जाने क्या होनेवाला है। एक ही घर के लोग एक दूसरे को खा रहे हैं।

निर्देश: किन्हीं **तीन** प्रश्नों के **लघु** उत्तर लिखिए : **(Weightage 2×3=6)**

19. 'महाभारत की सांझ' एकांकी में आपका प्रिय कथापात्र कौन है ? क्यों ?

20. 'सीमारेखा' एकांकी में स्वतंत्र भारत का कैसा चित्रण हुआ है ?

21. युधिष्ठिर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

22. 'सीमारेखा' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

23. अपने पक्ष के समर्थन में दुर्योधन क्या-क्या तर्क प्रस्तुत करते हैं ?

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण पढ़कर प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखिए : **(Weightage 1×1 Bunch=1)**

24. ''सब तुम्हारे गुणों से प्रभावित थे। सब तुम्हारी वीरता से डरते थे। कायरों की भाँति, रक्तपात से बचने के प्रयत्न में न्याय और सत्य का बलिदान कर बैठे।''
    अ) ये वाक्य किस रचना से लिए गए हैं ?
    आ) लेखक कौन है ?
    इ) प्रस्तुत कथन किस कथापात्र का है ?
    ई) वक्ता के अनुसार सब किसके गुणों से प्रभावित थे ?